आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 16 अंक : 32 लखनऊ, शुक्रवार 28 नवम्बर 2025 से 06 दिसम्बर 2025 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे से रक्षा क्षेत्र को मजबूती मिलने की उम्मीद

लखनऊ। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे से जहां रक्षा क्षेत्र को मजबूती मिलने की उम्मीद है वहीं उत्तर प्रदेश की लेदर इंडस्ट्री की भी निगाहें टिकी हुई है। लेदर इंडस्ट्री को उम्मीद है कि अमेरिकी टैरिफ के चलते प्रभावित हो रहे व्यापार के लिए रूस के बाजार उनके लिए खुल सकते हैं। जो एमएसएमई सेक्टर के लिए बूस्टर डोज का काम करेगी। रूस को लेकर भारत के इस समय अमेरिका समेत उसके पश्चिमी सहयोगियों के साथ जो कूटनीतिक रिश्ते हैं, उसको देखते हुए पुतिन की इस यात्रा पर दुनिया भर की नजरें लगी हुई हैं लेकिन, भारत और रूसअपने सामरिक, रक्षा और आर्थिक संबंधों में इनकी वजह से किसी भी तरह से दबाव में आने वाले नहीं हैं। ऐसे में पांच दिसम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच ५ दिसंबर बेहद अहम द्विपक्षीय सम्मेलन होने वाला है। इसमें भारत अपनी रक्षा क्षमताओं के विस्तार और आत्मनिर्भरता की दिशा में रूस के साथ बड़ी डील को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। रूसी राष्ट्रपति के साथ भारत दौरे पर आने वाले प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और व्यापार के लिए नए रास्ते खोलने पर सहमति बनने के पूरे आसार है। ऐसे में भारत और रूस के बीच आर्थिक व व्यापारिक साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से आगामी ५ दिसंबर २०२५ को दिल्ली में एक बड़े स्तर का इंडिया–रूस बिजनेस फोरम २०२५ आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन रूसी महासंघ के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान होगा। उनके साथ वरिष्ठ मंत्रीस्तरीय प्रतिनिधिमंडल और विभिन्न क्षेत्रों की २०० से अधिक प्रमुख रूसी कंपनियाँ भारत पहुंचेंगी, जिनसे व्यापक व्यावसायिक संवाद और

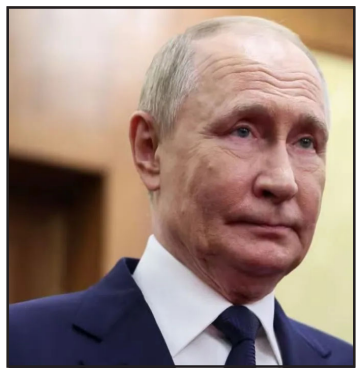

निवेश अवसरों पर चर्चा होने की उम्मीद है। फोरम का आयोजन फिक्की द्वारा वाणिज्य विभाग, भारत सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। इस फोरम में शामिल होने के लिए फिक्की की तरफ से यूपी की लेदर इंडस्ट्री को भी निमन्त्रण भेजा गया है। इस महत्त्वपूर्ण बैठक के दौरान कई स्तरों पर व्यावसायिक चर्चाएँ, रोडशो और बी२बी संवाद आयोजित होंगे, जिनसे दोनों देशों के उद्योग जगत को परस्पर व्यापार बढ़ाने के लिए नए अवसर मिलेंगे। जिससे भारतीय उद्योगपतियों को रूसी कंपनियों से सीधे बातचीत कर संभावित साझेदारियों पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा। फोरम का सबसे प्रमुख आकर्षण पूर्ण–बैठक (प्लेनेरी सेशन) होगा, जिसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन की भी संभावना है। इस सत्र से द्विपक्षीय व्यापार को उच्च स्तर पर प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। फोरम के मुख्य कार्यक्रमों में 'रूस रोडशो' उभरती आवश्यकताएँ एवं अवसरश विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहेगा, जिसमें वरिष्ठ रूसी मंत्री फार्मा एवं हेल्थकेयर, आईटी एवं डिजिटल सेवाएँ, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, मानव संसाधन, कौशल विकास और सेवाक्षेत्र जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी आवश्यकताओं और कारोबारी अवसरों को प्रस्तुत करेंगे। गुरुवार को रीजनल काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट्स के चेयरमैन असद के इराकी ने बताया कि इस बैठक से लेदर इंडस्ट्री के लिए नए रास्ते खुलने के अनुमान है। उन्होंने बताया कि भारत से यूएस को १०००० करोड़ रुपये का लेदर एक्सपोर्ट होता था। जिसमे कानपुर और उन्नाव से २००० करोड़ रुपये की हिस्सेदारी है। टैरिफ के चलते बाजार गड़बड़ हो चुका है। ऐसे में पुतिन के दौरे से लेदर इंडस्ट्री को काफी उम्मीद है। उन्होंने कहा कि फिक्की की तरफ से सभी को प्रतिनिधिमंडल के साथ होने वाली वार्ता में शामिल होने का निमंत्रण भेजा गया है और वह स्वयं बैठक में शामिल होंगे।

उत्तर प्रदेश में रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान को चलेगा अभियान, सरकार ने जारी किए सख्त निर्देश

लखनऊ। राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश में रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। सरकार की तरफ से जारी निर्देश में कहा गया है कि खासकर बरेली, पीलीभीत, बदायूं और शाहजहांपुर के अधिकारी अपने–अपने क्षेत्र में गैर–कानूनी तरीके से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान को लेकर सर्च अभियान चलाएं। दिलचस्प यह है कि इसके लिए दूसरे राज्यों से भाषा विशेषज्ञ भी बुलाए जाएंगे। दरअसल, बीते दिनों मुख्यमंत्री ने घुसपैठियों की तलाश करके उन्हें वापस भेजने का निर्देश दिया था। पहचान का सत्यापन होने तक उन्हें जिला स्तर पर अस्थायी हिरासत केंद्र में रखने के लिए कहा था। जिलाधिकारियों को अस्थायी हिरासत केंद्र बनाने और तैयारियां तेज करने के निर्देश भी दिए थे। ताजा निर्देश इसी के अनुपालन में जारी किया गया है। विशेषकर संवेदनशीलता की नजर से फिलहाल बरेली मंडल के सभी डीएम और बरेली के कमिश्नर को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। इस संबंध में बरेली के मंडलायुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी ने मंडल के जिलाधिकारियों को अस्थायी हिरासत केंद्र बनाने का निर्देश भी दे दिया है, जहां पहचाने गए गैर–कानूनी अप्रवासियों को तब तक रखा जाएगा जब तक उनका सत्यापन और जांच का काम पूरा नहीं हो जाता और प्रक्रिया के मुताबिक बाद में उन्हें उनके देश वापस भेज दिया जाएगा। खुफिया

तंत्र को कई बांग्लादेशी नागरिकों पर शक है कि वे असम या पश्चिम बंगाल के निवासी बनकर ईंट भट्टों, फैक्ट्रियों और दूसरी जगहों पर काम कर रहे हैं और उनके पास भारतीय दस्तावेज भी हैं। उनकी भाषा और हाव–भाव से यह शक पैदा हुआ है। इनकी पहचान में मदद के लिए, जरूरत पड़ने पर त्रिपुरा से भाषा विशेषज्ञों को बुलाया जाएगा। स्थानीय बांग्ला बोलने वाले निवासी भी पहचान और सत्यापन प्रक्रिया में मदद करेंगे। इस बीच बरेली जिले के अधिकारियों और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने कहा कि अगर किसी के पास नकली आधार कार्ड, वोटर पहचान पत्र या दूसरे नकली कागजात मिले, तो उसके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले भी बरेली पुलिस ने जून में दो महीने लंबे अभियान में झुग्गी–झोपड़ियों और खानाबदोश बस्तियों में रहने वाले कई संदिग्ध लोगों की पहचान की थी। पुलिस के अनुसार जिले में दस से ज्यादा बांग्लादेशी नागरिकों के गैर–कानूनी तरीके से रहने की पुष्टि हुई थी। इनमें से तमाम को गिरफ्तार भी किया गया था। राज्य सरकार ने स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए हैं कि आधार कार्ड को अब जन्म तिथि प्रमाण के रूप में स्वीकार करने की गलती न करें। नियोजन विभाग ने इस संबंध में राज्य के सभी विभागों के प्रमुख सचिवों और अपर मुख्य सचिवों को आदेश जारी कर दिए हैं। यह ओदश भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) की ओर से ३१ अक्टूबर को जारी किए गए उस पत्र के आधार पर उठाया गया है, जिसमें कहा गया था कि आधार में दर्ज जन्मतिथि श्श्अनुमानितश्श होती है और इसे प्रमाणिक दस्तावेज के रूप में मान्य नहीं किया जा सकता।

अखिलेश यादव ने निर्वाचन आयोग से मृत अधिकारियों के परिजनों के लिए एक करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग की

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को निर्वाचन आयोग से अपील की कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान ''मानसिक और शारीरिक रूप से आहत'' होकर अपनी जान गंवाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के परिजनों को एक–एक करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाए। सपा प्रमुख ने इन मृतकों के परिजनों के लिए सपा की तरफ से दो–दो लाख रुपये देने की भी घोषणा की। यादव ने 'एक्स' पर कहा, ''उत्तर प्रदेश में एसआईआर के दौरान मानसिक और शारीरिक रूप से आहत होने के कारण जिन लोगों की जान जा रही है, उनके लिए निर्वाचन आयोग से ये सीधी अपील है कि वो एक करोड़ रुपये का मुआवजा दे।'' उन्होंने अपनी पार्टी की ओर से मृतकों के आश्रितों की सहायता की घोषणा करते हुए कहा, ''हम भी प्रत्येक मृतक के आश्रित को दो लाख रुपये की सहायता राशि देने का संकल्प लेते हैं।'' यादव ने फतेहपुर की एक खबर का वीडियो भी साझा किया जिसमें दिखाया गया कि एक लेखपाल ने कथित रूप से काम का अत्यधिक दबाव होने के कारण अपनी शादी से एक दिन पहले आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, बिंदकी

तहसील के खजुआ ब्लॉक में तैनात लेखपाल सुधीर कुमार का शव मंगलवार सुबह उनके कमरे में लटका मिला। सुधीर को हाल ही में जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर के लिए पर्यवेक्षक के तौर पर जिम्मेदारियां दी गई थीं। सुधीर की मंगेतर काजल ने कहा कि उन पर काम का बहुत अधिक दबाव था, जिससे वह काफी परेशान रहते थे।

सम्पादकीय

मकसद असल मुद्दे से बचना

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र का संबंधित पक्षों का सम्मेलन (कॉप) निरर्थकता की ऐसी हद पर पहुंच गया है, जहां जागरूक जनमत में इससे वितृष्णा पैदा होने लगी है। जिस लक्ष्य के प्रति विभिन्न देशों की सरकारें अपमान का भाव रखती दिख रही हों, उससे जुड़े पहलुओं पर उनकी बातें सुनना आज की एक बड़ी विडंबना है। ब्राजील के बेलेम में हुए कॉप–३० के बारे में वहां मौजूद एक एनजीओ कार्यकर्ता ने यह सटीक टिप्पणी की– 'कॉप–३० इतिहास में सबसे घातक टॉक शो के रूप में याद रखा जाएगा, जहां कई दिन इस चर्चा में गुजार दिए गए कि चर्चा क्या करनी है। मकसद असल मुद्दे से बचना था। सरकारों की कोशिश थी कि जीवाश्म ऊर्जा से अक्षय ऊर्जा की तरफ जाने और उसके लिए धन देने की किसी वचनबद्धता से बचा जाए।' अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की रिपोर्ट में भविष्यवाणी की गई है कि अगले २५ वर्षों तक दुनिया में कच्चे तेल और प्रोंतिक गैस का उपयोग बढ़ता रहेगा। नतीजा यह होगा कि इस दौरान अक्षय ऊर्जा का उपयोग बढ़ा, तब भी ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेज बढ़ोतरी जारी रहेगी। रिपोर्ट में ध्यान दिलाया गया कि २०२४ में कोयले का इस्तेमाल रिक र्ड स्तर तक पहुंच गया। इस बीच दुनिया में प्रति व्यक्ति सर्वाधिक उत्सर्जन करने वाला अमेरिका जलवायु परिवर्तन की हकीकत को ही अस्वीकार कर चुका है। डॉनल्ड ट्रंप ने 'ड्रिल बेबी ड्रिल' के नारे के साथ जीवाश्म ऊर्जा के उपयोग को नई गति प्रदान की है। उध ार जलवायु परिवर्तन को लेकर अतीत में संवेदनशील रहे यूरोप की दिशा भी पलट चुकी है। चूंकि धनी देश विकासशील देशों की मदद के लिए धन उपलब्ध कराने के वादे से भी मुकर रहे हैं, इसलिए उन देशों में जलवायु मुद्दे पर प्रगति की संभावना अब और घट चुकी है। इस बीच जंगलों में आग लगने की बढ़ती घटनाओं, जंगलों को पहुंच रहे नुकसान से सोखे जाने वाली कॉर्बन डायअ क्साइड की मात्रा में कमी, समुद्री जल का तापमान बढ़ने से कार्बन सोखने की समुद्रों की क्षमता में गिरावट आदि जैसे पहलू समस्या से जुड़ गए हैं। उनका घातक नतीजा लोग भुगत रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने मेदांता सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन किया और इसे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतरीन केंद्र बताया।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को नोएडा में मेदांता सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन किया और इसे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतरीन केंद्र बताया। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने नोएडा में मेदांता के दूसरे अस्पताल के शुभारंभ पर शुभकामनाएं दीं और पूर्वी उत्तर प्रदेश के नए केंद्र बनवाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर और वाराणसी में पांच–पांच करोड़ लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा की जरूरत है। उत्तरेंपूर्वी बिहार और नेपाल, गोरखपुर तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश की बड़ी आबादी के साथ ही बिहार, झारखंड व छत्तीसगढ़ का बड़ा भूभाग स्वास्थ्य सेवा के लिए वाराणसी पर निर्भर करता है। इन दोनों बड़े केंद्रों के लिए मेदांता समूह यदि आगे आता है तो सरकार हरसंभव मदद करेगी। आदित्यनाथ ने कहा कि आज शुरू किया गया सुपर स्पेशियिलिटी अस्पताल सिर्फ

चिकित्सालय ही नहीं बल्कि एक छत के नीचे ढेर सारा रोजगार व उत्तर प्रदेश को बड़ा निवेश भी दे रहा है। उन्होंने कहा, श्शगुड़गांव के बाद जब लखनऊ में मेदांता का शुभारंभ होना था तो लोग पूछते थे कि क्या यह चल पाएगा। मगर हमें तब भी संदेह नहीं था। मेदांता ने लखनऊ में भी बेहतरीन सेवा से पहचान बनाई है। कोविड के दौरान वह अस्पताल उत्तर प्रदेश वासियों के लिए बहुत उपयोगी साबित हुआ।'' आदित्यनाथ ने कहा कि आठेंदस वर्ष पहले गरीब के लिए उपचार कराना कठिन होता था। किडनी, कैंसर, लीवर सिरोसिस, बाईपास सर्जरी आदि के लिए गरीब के पास सामर्थ्य नहीं होता था। वह जमीन बेचता या महिलाओं के जेवर गिरवी रखता था। फिर हमारे पास भी ह स्पिटल को पत्र लिखने और ड क्टर से बात करने की सिफारिश आती थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले छह–सात वर्ष में प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना, आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत देश के अंदर ५० करोड़ लोगों को पांच लाख रुपये प्रतिवर्ष स्वास्थ्य की मुफ्त सेवा उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में इसके दायरे को बढ़ाया गया है।

इकबाल अंसारी ने राम मंदिर के ध्वजारोहण पर जताई खुशी

लखनऊ। अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में ऐतिहासिक 'ध्वजारोहण' समारोह से पहले, राम जन्मभूमि–बाबरी मस्जिद मामले के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने आमंत्रित किए जाने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि शहर में खुशी की लहर है क्योंकि भारत और दुनिया भर से लोग जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एक विशेष ध्वजारोहण समारोह के दौरान अयोध्या राम जन्मभूमि मंदिर के १९१ फुट ऊँचे शिखर पर पवित्र ध्वज फहराएंगे। एएनआई से बात करते हुए अंसारी ने कहा कि अयोध्या धर्म की नगरी है। यहां सभी धर्मों के देवी–देवता विराजमान हैं। अयोध्या में साधु–संत रहते हैं। अयोध्या की धरती पवित्र मानी जाती है। अब भगवान राम का मंदिर बन गया है और प्रधानमंत्री के हाथों ध्वजारोहण होने जा रहा है। यह अच्छी बात है। यह गर्व का दिन है, यह वह दिन है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान राम के मंदिर में ध्वजारोहण करने जा रहे हैं। देश और दुनिया भर से लोग यहां आ रहे हैं और अयोध्या में खुशी की लहर है। मुझे भी आमंत्रित किया गया है और मैं जाऊंगा। २०१६ में अपने पिता के निधन के बाद

राम जन्मभूमि–बाबरी मस्जिद विवादित ढाँचे के मामले में मुख्य पक्षकार बने इकबाल अंसारी ने कहा कि हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सद्भाव होना चाहिए और देश तरक्की करे। हम चाहते हैं कि देश में शांति हो, आपसी सद्भाव हो... हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सद्भाव हो...हमारा देश तरक्की करे, यही हमारी कामना है और यही हमारा संदेश भी है। इस बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस आयोजन को सनातन संस्कृति का पुनर्जागरण बताया। इससे पहले, योगी आदित्यनाथ ने राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में समारोह से पहले संतों और अतिथियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। दोपहर के करीब, प्रधानमंत्री अयोध्या में पवित्र श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर औपचारिक रूप से भगवा ध्वज फहराएँगे, जो मंदिर निर्माण के पूरा होने और सांस्कृतिक उत्सव एवं राष्ट्रीय एकता के एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक होगा। प्रधानमंत्री इस ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। सीएम योगी ने एक पोस्ट में लिखा, 'सात पवित्र नगरियों में से सर्वप्रथम दिव्य श्री अयोध्या धाम में आज माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के पावन करकमलों से भगवान श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भव्य भगवा ध्वज फहराने जा रहा है।'

पीएम मोदी–मोहन भागवत ने राम मंदिर शिखर पर धर्म ध्वज फहराया

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार २५ नवंबर को विवाह पंचमी के अवसर पर राम मंदिर के 'शिखर' पर भगवा ध्वज फहराया। पीएम मोदी ध्वजारोहण समारोह में शामिल होने वाले उच्च–स्तरीय गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे, साथ ही यूपी

के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भागवत भी अन्य उपस्थित थे। दस फीट ऊंचे और बीस फीट लंबे धर्म ध्वज पर भगवान श्री राम के तेज और पराक्रम के प्रतीक सूर्य की छवि अंकित है, जिस पर कोविदारा वृक्ष की छवि के साथ 'ओम' अंकित है। पारंपरिक उत्तर भारतीय नागर स्थापत्य शैली में निर्मित श्री राम जन्मभूमि मंदिर शिखर पर भगवा ध्वज लहराते ही भक्त खुशी से झूम उठे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्री अयोध या धाम में भगवान राम के भव्य मंदिर में ध्वजारोहण किसी यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं, बल्कि एक नए युग का सूत्रपात है। मैं इस अवसर पर राम भक्तों की ओर से प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता हूँ। यह समारोह मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को भगवान राम और देवी सीता के विवाह पंचमी के अभिजीत मुहूर्त के साथ संयोग से मनाया गया, जो दिव्य मिलन का प्रतीक है। यह दिन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि यह नौवें सिख गुरु, गुरु तेग बहादुर जी के शहादत दिवस का भी प्रतीक है, जिन्होंने १७वीं शताब्दी में अयोध्या में ४८ घंटे तक ध्यान किया था, जिससे इस दिन का आध्यात्मिक महत्व और भी बढ़ जाता है। राम मंदिर के दर्शन से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने सप्तमंदिर का भी दौरा किया, जहाँ महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिल्या, निषादराज गुहा और माता शबरी को समर्पित मंदिर हैं। मंदिर का शिखर पारंपरिक उत्तर भारतीय नागर शैली में बनाया गया है, जबकि आसपास का ८०० मीटर का परिक्रमा परकोटा दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला के तत्वों को प्रदर्शित करता है, जो भारत की विविध मंदिर परंपराओं के सम्मिश्रण को दर्शाता है।

राजधानी में १४४ डॉक्टर करेंगे पोस्टमार्टम ड्यूटी

लखनऊ। लखनऊ में पोस्टमार्टम प्रक्रिया को समयबद्ध और सुचारु बनाने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने गुरुवार को १४४ डॉक्टरों की सूची जारी की। इसमें महिला डॉक्टरों को भी शामिल किया गया है। सूची का विरोध भी शुरू हो गया है। विरोध करने वालों का आरोप है कि जिले के सभी सरकारी डॉक्टरों को सूची में शामिल नहीं किया गया है। सीएमओ डॉ. एन. बी. सिंह ने बताया कि ६० वर्ष से कम आयु के सभी चिकित्सकों को पोस्टमार्टम ड्यूटी में शामिल किया गया है। इनमें महिला डॉक्टर भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह ड्यूटी १५ फरवरी तक तय की गई है। सीएमओ, अपर सीएमओ और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को इस सूची से बाहर रखा गया है। सीएमओ ने यह भी बताया कि यदि किसी चिकित्सक को ड्यूटी के दौरान बीमारी या किसी तकनीकी कारण से अवकाश लेना होता है, तो संबंधित अस्पताल के प्रभारी अधिकारी को उनके स्थान पर प्रतिस्थापन डॉक्टर भेजना होगा। मालूम हो कि राज्य सरकार की गाइडलाइन के मुताबिक, चार घंटे के भीतर पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपना अनिवार्य किया गया है। इसी के तहत सभी जिलों में सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों को पोस्टमार्टम ड्यूटी में शामिल करने के निर्देश दिए गए थे। लखनऊ में सभी चिकित्सकों को शामिल न किए जाने पर विरोध के बाद एक केंद्रीय सूची तैयार की गई है। इस नई व्यवस्था को प्रदेश के अन्य जिलों में भी लागू किया जाना है, जिसकी शुरुआत राजधानी लखनऊ से की गई है।

राम मंदिर का जिक्र कर बोले मुख्यमंत्री योगी- भारत की परंपरा संतों, ऋषि-मुनियों व महापुरुषों के त्याग-बलिदान की महागाथा है।

लखनऊ/गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की परंपरा संतों, ऋषि–मुनियों व महापुरुषों के त्याग–बलिदान की महागाथा है। युगों–युगों से यह महागाथा विश्व मानवता के लिए प्रेरणा रही है। विश्व मानवता ने इस महागाथा का श्रवण व प्रेरणा प्राप्त कर भविष्य को तय किया है। भारत के अंदर आज भी पवित्र उपासना विधियां श्रद्धाभाव के साथ कार्य करते हुए इस व्यवस्था को बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि तीन दिन पूर्व अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण कार्य को पूर्ण करने के महायज्ञ के पूर्णाहुति कार्यक्रम के साथ ही पीएम मोदी के करकमलों से भव्य भगवा ध्वज का आरोहण संपन्न हुआ। पूरी दुनिया व देश ने भारत के इस सनातन वैभव को देखा और अनुभव किया। सीएम योगी गुरुवार को तरुण सागरम् तीर्थ, मुरादनगर पहुंचे। उन्होंने यहां पंचकल्याणक महामहोत्सव के अंतर्गत १०० दिन में निर्मित गुफा मंदिर का उद्घाटन किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भगवान पार्श्वनाथ जी व संत तरुण सागर जी महाराज का स्मरण किया। सीएम ने मेरी बिटिया व अंतर्मना दिव्य मंगल पाठ पुस्तक का विमोचन भी किया। सीएम योगी ने कहा कि यूपी का सौभाग्य है कि अयोध्या में प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान ऋषभ देव व चार जैन तीर्थंकर पैदा हुए। दुनिया ने काशी में चार जैन तीर्थंकरों को अवतरित होते हुए देखा है। श्रावस्ती में जैन तीर्थंकर भगवान संभवनाथ का जन्म हुआ। भगवान महावीर का महापरिनिर्वाण कुशीनगर के पावागढ़ में हुआ था। हमारी सरकार ने फाजिलनगर का नाम (जहां भगवान महावीर ने महापरिनिर्वाण हुआ था), उसके नामकरण की कार्रवाई को पावा

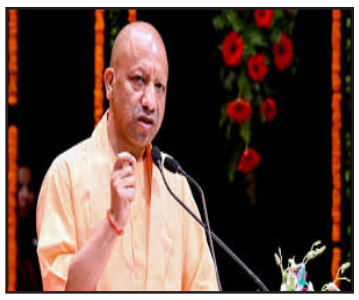

नगरी के रूप में बढ़ाया है। सीएम योगी ने कहा कि २४ जैन तीर्थंकरों ने समाज को नई दिशा और विश्व मानवता को करुणा, मैत्री, अहिंसा व 'जियो–जीने दो' की प्रेरणा दी। उन्होंने सिर्फ मनुष्य ही नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव–जंतु के लिए नई प्रेरणा प्रदान की, जिसकी प्रासंगिकता आज भी उसी रूप में बनी हुई है। मानव सभ्यता को विकास की नित नई ऊंचाइयों तक पहुंचना है तो उन्हें भारत के अध्यात्म की शरण में जाना होगा। अध्यात्म के साथ ही भौतिक विकास, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक उन्नयन के लिए सुरक्षित, सुसभ्य, साफ–सुथरा वातावरण चाहिए, जिसे भारत ने पहले भी दुनिया को दिया है और भारत, ऋषि–मुनियों, परंपरा व भारतीय संस्कृति का संदेश आज भी विश्व मानवता के लिए यही है। सीएम योगी ने कहा कि ऋषि–मुनि परंपरा ने जो संदेश दिया है, हम उसे आत्मसात करते हैं तो यह विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। गत वर्ष अप्रैल में पीएम मोदी ने विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर वन वर्ल्ड–वन चौन कार्यक्रम का उद्घाटन किया था और हम सभी को नौ संकल्प (पानी की बचत, एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छता का मिशन, वोकल फॉर लोकल, देश–दर्शन, नेचुरल फ मिंग, हेल्दी लाइफ स्टाइल, योग व खेल को जीवन में लाना, गरीब कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करना) प्रदान किया था। जैन मुनियों की परंपरा उसी को बढ़ाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज व उपाध्याय मुनि पीयूष सागर जी महाराज की दिनचर्या को देखा। ५५७ दिन की कठोर साधना, ४६६ दिन का निर्जल उपवास, तप, अनुशासन व आत्मसंयम का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला है। ये चीजें दिखाती हैं कि यदि हम संकल्प ले लें तो जो कुछ हमें बाहर दिखाई दे रहा है, वह सब कुछ इस शरीर में अनुभव होते हुए भी दिखाई देगा। प्रसन्न सागर जी महाराज की साधना के माध्यम से यह देखने व अनुभव करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

अलीनगर सुनहरा विद्यालय में संविधान दिवस की गूंजरू बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों ने ली शपथ, गतिविधियों के माध्यम से फैलाई जागरूकता

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित नगर क्षेत्र जोन–१ के बेसिक विद्यालय अलीनगर सुनहरा में संविधान दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। विद्यालय में बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों ने एक स्वर में भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा, अधिकारों के सम्मान और कर्तव्यों के पालन की शपथ ली। कार्यक्रम के तहत बच्चों ने निबंध, चित्रकला तथा अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताओं में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। छात्रों ने अपने चित्रों, विचारों और संदेशों के माध्यम से संविधान की महत्वपूर्ण बातों को

जन–जन तक पहुंचाने का प्रयास किया। विद्यालय परिसर पूरे दिन संविधान जागरूकता और देशभक्ति की भावना से सराबोर रहा।

पुलिस ने साइबर अपराधियों पर कसी लगाम, दो वर्षों में ५१ करोड़ रुपये जब्त

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में पुलिस साइबर अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है और इस पूरी कवायद में दो वर्ष में पुलिस ने ५१ करोड़ से अधिक रुपए जब्त किए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) शैव्या गोयल ने बताया कि अक्टूबर २०२३ से नवंबर २०२५ तक कुल २०७३ साइबर अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि अपराधियों के खातों में मिली ५१ करोड़ ८५ लाख ८७ हजार रुपए की धनराशि के लेन देन पर रोक लगाई गई है और ३१ करोड़ ६७ लाख ६४ हजार ८१२ रुपए की धनराशि पीड़ितों को वापस कराई गई है। अपर पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) ने बताया कि 'साइबर जागृति भारत अभियान' के तहत जिले में लगातार साइबर जागरुकता अभियान संचालित किया जा रहा है और दो लाख से अधिक छात्रों को साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

तहसील स्तरीय दिव्यांग खेलकूद एवं सांस्कृतिक महोत्सव : 100 से अधिक बच्चों ने दिखाया प्रतिभा का जलवा

लखनऊ। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत समावेशी शिक्षा के तहत २६ नवंबर २०२५ को पूर्व माध्यमिक विद्यालय आलमबाग, जोन–१ में तहसील स्तरीय दिव्यांग बच्चों के खेलकूद एवं सांसेंतिक कार्यक्रम का

भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर क्षेत्र के सभी ४ जोनों सहित चिनहट से आए ८० दिव्यांग बच्चों और २० सामान्य बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभात फेरी से हुई, जिसमें दिव्यांग बच्चों के साथ विशेष शिक्षक और अभिभावक शामिल रहे। इसके पश्चात खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. पूनम मिश्रा, जिला समन्वयक समावेशी शिक्षा संदीप तिवारी, तथा विद्यालय की प्रधानाचार्या द्वारा देवी सरस्वती का माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डॉ. मिश्रा ने बच्चों को आशीर्वचन देकर प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि के समक्ष बेसिक विद्यालय अलीनगर सुनहरा के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना और स्वागत गीत ने सभी का मन मोह लिया। सूक्ष्म जलपान के बाद विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का शुभारंभ स्पेशल एजुकेटर्स आकाश, संजीव मिश्रा, संतोष सिंह और अरविंद शर्मा के संचालन में किया गया। आयोजित कुल १२ प्रतियोगिताओं में बच्चों का उत्साह देखने लायक था। प्रतियोगिताओं के प्रमुख परिणाम इस प्रकार रहें। ५० मीटर दौड़: मोहम्मद बिलाल (प्राथमिक विद्यालय सहादतगंज) प्रथम, रंगोली: वंश (बेसिक विद्यालय मल्टी स्टोरी) प्रथम, मेंढक दौड़: अरहान (प्रा. वि. सराय हसनगंज) प्रथम, व्हीलचेयर रेस: यशी (पूर्व माध्यमिक विद्यालय आलमबाग) प्रथम, म्यूजिकल चेयर: बाबुल प्रथम, मेहंदी प्रतियोगिता: नैंसी (अलीनगर सुनहरा) प्रथम, छूकर पहचानो: दृष्टिबाधित छात्र अमन कुमार (प्रा. वि. फैजुल्लागंज) प्रथम, १०० मीटर दौड़:: कृष्ण (पूर्व माध्यमिक विद्यालय आलमबाग) प्रथम, सुलेख: वंश (बेसिक विद्यालय मल्टी स्टोरी) प्रथम, चित्रकला: पायल (पूर्व माध्यमिक विद्यालय रायपुर, चिनहट) प्रथम। सभी प्रतियोगिताओं में विजेताओं एवं प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के समापन पर खंड शिक्षा अधिकारी (जोन–१) डॉ. पूनम मिश्रा ने सभी बच्चों को आशीर्वचन व पुरस्कार प्रदान किए। पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। आज के विजयी प्रतिभागी ३ दिसंबर २०२५ को बेसिक विद्यालय सरोसा–भरोसा में होने वाली जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्पेशल एजुकेटर्स आकाश, संजीव मिश्रा, संतोष सिंह, अरविंद दत्त शर्मा, वंदना वर्मा, चारू बंसल, मनीष कुमार, मुकेश सिंह, योगेंद्र पटेल, नेहा श्रीवास्तव तथा वार्ड संसाधन केंद्र हजरतगंज के स्टाफ उत्कर्ष, रूबल और राजू का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

बिहार में सुशासन सुनिश्चित करने के लिए और मजबूती से काम करेगी राजग सरकारः शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के

नेतृत्व में बिहार में नवगठित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार राज्य में सुशासन सुनिश्चित करने के लिए और अधिक मजबूती से काम करेगी। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य में राजग सरकार के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में शाह से मुलाकात की, जिसके बाद शाह ने यह टिप्पणी की। शाह ने 'एक्स' पर लिखा, बिहार की जनता ने राजग को भारी बहुमत दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में, सरकार सुशासन सुनिश्चित करने और विकसित बिहार के विजन को आगे बढ़ाने के लिए और अधिक मजबूती से काम करेगी। पिछली कैबिनेट में उपमुख्यमंत्री रहे चौधरी को इस बार भी उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। विधानसभा चुनावों में२४३ में से २०२ सीट पर राजग की जीत के बादउन्हें राज्य में भारतीय जनता पार्टी विधायक दल का नेता भी चुना गया। चुनाव में राज्य की २४३ सदस्यीय विधानसभा में ८६ सीट जीतकर भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। नए मंत्रिमंडल में पार्टी के १४ मंत्री बनाए गए हैं।

१६वीं नेशनल जम्बूरी बना प्रदेश का बड़ा वैश्विक युवा मंच, ३३,००० से अधिक युवाओं के उत्साह से राजधानी लखनऊ सराबोर

लखनऊ। इन दिनों कई देशों से आए स्काउट्स कैडेट्स के उत्साह से राजधानी लखनऊ सराबोर है। ६१ वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के बाद यहां आयोजित १६वीं नेशनल जम्बूरी ने प्रदेश को एक वैश्विक युवा मंच में बदल दिया है। भारत के विभिन्न राज्यों से आए ३३,००० से अधिक स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रेंजर्स के साथ मालदीव, नेपाल, श्रीलंका और सऊदी अरब सहित एशिया पैसिफिक क्षेत्र के १,५०० से अधिक युवा प्रतिनिधियों ने इस आयोजन में शिरकत की है। जम्बूरी परिसर में कदम रखते ही अतिथि देवो भवरू की भारतीय परंपरा जीवंत नजर आती है। प्रतिभागी स्काउट्स पारंपरिक व्यंजनों की सुगंध, लोक गीतों की धुन और रंगीन परिधानों के आकर्षण से विविधता का उत्सव मनाते दिखते हैं। उद्घाटन समारोह में ड्रोन शो, भव्य परेड और उत्तर प्रदेश की धरोहर को दर्शाते सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह सिर्फ उत्सव का मंच नहीं, बल्कि अपने ऐतिहासिक गौरव और आधुनिकता के बीच संतुलन का संदेश देता है। इस आयोजन का एक महत्वपूर्ण आकर्षण उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा लगाया गया सुरक्षा और तकनीक प्रदर्शनी मंडप है, जहां युवा स्काउट्स को अपराध रोकथाम प्रौद्योगिकी, अग्निशमन तकनीक और कमांडो व एंटी टेररिज्म स्क्वॉड की क्षमताओं से परिचित कराया गया। यह अनुभव युवाओं के मन में सुरक्षा संरचनाओं के प्रति एक नई समझ विकसित करता है। समारोह के दौरान विभिन्न देशों और राज्यों से आए युवा आपस में मित्रता के सूत्र जोड़ रहे हैं और एक दूसरे की परंपराओं और जीवनशैली को समझते हुए सीमाओं से परे एक साझा मानवीय अनुभव का निर्माण कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश ने जिस गर्मजोशी से इस वैश्विक आयोजन की मेजबानी की है, वह न केवल प्रदेश बल्कि समूचे भारत की जन आत्मा का परिचय कराती है। वित्त मंत्री सुरेश

कुमार खन्ना ने कहा कि स्काउट–गाइड एक पवित्र और सेवा–केंद्रित क्षेत्र है, जिसका मूल उद्देश्य दूसरों के कष्टों को दूर करना और जीवन को सरल बनाना है। दुनिया के सभी मजहब मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म के रूप में मानते हैं और स्काउट–गाइड आंदोलन इसी भावना को आगे बढ़ाता है। वित्त मंत्री बुधवार को १६वीं राष्ट्रीय जंबूरी के अंतर्गत आयोजित पीजेंट शो का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने देश–विदेश से आए स्काउट– गाइड प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि आतिथ्य सत्कार भारतीय परंपरा की सबसे बड़ी पूंजी है और राज्य सरकार ने जंबूरी में आए प्रतिभागियों के सम्मान और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा है। स्काउट–गाइड की ऊर्जा, अनुशासन और सेवा भाव की सराहना की। भारत में स्काउट आंदोलन की नींव रखने वाले शाहजहांपुर के रामजी वाजपेयी का जिक्र करते हुए मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि स्काउटिंग के विकास में उनका अमूल्य योगदान रहा है। स्काउट–गाइड, युवाओं के बौद्धिक, आध्यात्मिक और सामाजिक विकास का सशक्त माध्यम है, जो उन्हें अनुशासित, आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करता है। इस मौके पर मंत्री सुरेश खन्ना ने आकर्षक पुलिस बैंड की प्रस्तुतियों, विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झांकियों, लोकनृत्य, संगीत और थीम आधारित प्रदर्शन का अवलोकन किया। रंग–बिरंगी प्रस्तुतियों से सजे इस कार्यक्रम ने भारतीय कला, संस्कृति और परंपराओं की समृद्ध विरासत को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया। डॉ. प्रभात कुमार (प्रादेशिक मुख्य आयुक्त), डॉ. राजेश मिश्रा (स्टेट कमिश्नर, स्काउट), ललिता प्रदीप (स्टेट कमिश्नर, गाइड) सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। डॉ. महेंद्र सिंह और डॉ. प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से मंत्री सुरेश खन्ना को जंबूरी का पवित्र शुभंकर 'शार्दू' भेंट किया।

परिषदीय स्कूलों की अर्धवार्षिक परीक्षा स्थगित, अब १० से १५ दिसंबर के बीच होगी आयोजित

लखनऊ। परिषदीय विद्यालयों में आयोजित होने वाली अर्धवार्षिक परीक्षाओं को एक बार फिर स्थगित कर दिया गया है। पहले यह परीक्षाएँ २८ नवंबर से ३ दिसंबर तक प्रस्तावित थीं, लेकिन प्रक्रिया (स्कूल इंस्पेक्शन रिपोर्टिंग) में शिक्षकों की ड्यूटी लगने के कारण इन परीक्षाओं को आगे बढ़ाना पड़ा है। शिक्षकों की बड़ी संख्या SIR प्रक्रिया में व्यस्त होने के कारण विद्यालयों में परीक्षा संचालन की स्थितियाँ उपयुक्त नहीं थीं। इसी वजह से बेसिक शिक्षा विभाग ने परीक्षाओं की नई तिथियाँ जारी कर दी हैं। अब परिषदीय विद्यालयों की अर्धवार्षिक परीक्षाएँ १० दिसंबर से १५ दिसंबर के बीच आयोजित की जाएँगी। विभागीय अधिकारियों के अनुसार नई तिथियों की जानकारी सभी स्कूलों तक पहुँचा दी गई है और परीक्षा व्यवस्था को सुचारु रूप से सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश भी जारी किए जा रहे हैं। परीक्षाओं के स्थगन से छात्रों और

अभिभावकों को हुई असुविधा के लिए विभाग ने खेद व्यक्त किया है, साथ ही नए परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार तैयारी करने की अपील भी की है। स्कूल प्रधानों को यह भी निर्देश दिया गया है कि प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद तुरंत परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया जाए, ताकि परीक्षाएँ बिना किसी बाधा के संपन्न हो सकें।

अवैध शराब फैक्टरी का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार और भारी मात्रा में नकली शराब जब्त

मेरठ। जिले के इचौली क्षेत्र में पुलिस ने बुधवार को अवैध और अपमिश्रित शराब बनाने वाली एक अवैध फैक्टरी पर छापा मारकर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया और बड़ी मात्रा में नकली शराब, पैकिंग सामग्री तथा शराब बनाने के उपकरण बरामद किए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अभिजीत कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि लावड़ कस्बे के पास समसपुर मार्ग तिराहे पर कटे–फटे कपड़ों के एक गोदाम में आगामी पंचायत चुनाव के मद्देनजर बड़े पैमाने पर नकली शराब तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और आरोपियों यश उर्फ कलुवा, अंकित, यासीन, अनस, तरुण उर्फ मामा और दिनेश को रंगे हाथों पकड़ लिया। कुमार के अनुसार आरोपियों के कब्जे से दो बड़े ड्रम और चार कैन, करीब १,००० खाली प्लास्टिक पव्वे, अपमिश्रित शराब रखने के लिए ट्यूब और यूरिया खाद, एक प्रतिष्ठित ब्रांड की बोतलों के ढक्कन, नकली रेपर और ३१ क्यूआर कोड, खाली बोतलें और आपूर्ति में प्रयुक्त वाहन बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में कई के खिलाफ हत्या, धोखाधड़ी, आबकारी अधिनियम और कॉपीराइट उल्लंघन सहित गंभीर धाराओं में पहले से कई मामले दर्ज हैं।

3 मिनट ठहाका लगाकर हंस लें तो हृदय की रक्त वाहिनियों में ब्लॉकेज नहीं होने पाता

लखनऊ। हास्य योग के नियमित अभ्यास से सकारात्मक हारमोंस जैसे सेरोटोनिन, बीटाइंडोर्फिन, वेसोप्रेसिन प्रचुर मात्रा में उत्सर्जित होते हैं, जिन्हें हैप्पी हार्मोन्स के नाम से भी जाना जाता है, यदि रोजाना केवल ३ मिनट ठहाका लगाकर हंस लें तो हृदय की रक्त वाहिनियों में ब्लॉकेज नहीं होने पाता, मेंटल स्ट्रेस, एंजायटी, डिप्रेशन और अनिद्रा जैसी समस्यायें मनुष्य के ऊपर हाबी नहीं होने पाती। यह कहना है कैलिफोर्निया (अमेरिका) के हास्य योगी डॉ. रमेश पांडे का। वह गुरुवार को लखनऊ स्थित नेशनल इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान डॉ. रमेश ने ५१ प्रकार की हंसी का व्यावहारिक प्रयोग कराकर छात्र–छात्राओं और अध्यापकों का मानसिक तनाव कुछ ही मिनटों में दूर कर दिया। दरअसल, नेशनल इंटर कॉलेज में इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइ जेशन (आई.एन.ओ.) और वैदिक योग–प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में मानसिक स्वास्थ्य के प्रबंधन में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का महत्व विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

विटामिन और फूड सप्लीमेंट खरीदेंइस अवसर पर बलरामपुर चिकित्सालय के योग विशेषज्ञ डॉ. नन्दलाल जिज्ञासु ने बताया कि वर्तमान में ६ वर्ष के बच्चों से लेकर २५ वर्ष के युवा एंड्र यड फोन का प्रयोग अधिक करने के कारण मानसिक रोग का शिकार हो रहे हैं, उन्हें फोन की जगह नियमित व्यायाम, योगासन, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार और ध्यान के अभ्यास करना चाहिए, इससे उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य उत्तम होगा है, इससे रोगों से लड़ने की भी क्षमता शरीर में विकसित होगी। जिससे दवाओं पर पराधीनता कम होगी। इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन के राज्य सलाहकार डॉ. अरुण कुमार भरारी ने बताया कि विद्यार्थियों को पाचन, पोषण और निष्कासन की दृष्टि से उत्तम आहार का सेवन करना चाहिए। समाज में प्रचलित जंक फूड, फास्ट फूड, सिंथेटिक कोल्डड्रिंक्स जहां शारीरिक रोगों को बढ़ावा देते हैं वहीं मानसिक रोगों को भी पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं इसलिए जंक फूड का प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता सुनहरी लाल, नर्वदा सिंह, राजीव कुमार सहित ३६ शिक्षकों ११ कर्मचारी और लगभग ५०० छात्र–छात्रायें शामिल रहे।

सिर्फ सैन्य शक्ति नहीं, नैतिक जीत भीः 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर राष्ट्रपति मुर्मू का 'चाणक्य संवाद' में ऐतिहासिक भाषण

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को नई दिल्ली में भारतीय सेना के तीसरे सेमिनार 'चाणक्य रक्षा संवाद–२०२५' के उद्घाटन सत्र में भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने भारत की संप्रभुता की रक्षा में व्यावसायिकता और देशभक्ति का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि हर सुरक्षा चुनौती के दौरान, चाहे वह पारंपरिक हो, उग्रवाद–रोधी हो या मानवीय, हमारी सेनाओं ने उल्लेखनीय अनुकूलनशीलता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया है। ऑपरेशन सिंदूर की हालिया सफलता हमारी आतंकवाद–रोधी और निवारक रणनीति में एक निर्णायक क्षण है। दुनिया ने न केवल भारत की सैन्य क्षमता पर ध्यान दिया, बल्कि शांति की खोज में ढ़ता और जिम्मेदारी से कार्य करने की भारत की नैतिक स्पष्टता पर भी ध्यान दिया। अपनी परिचालन भूमिका से परे, भारतीय रक्षा बल राष्ट्रीय विकास का एक स्तंभ बने हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सीमाओं को मजबूत करने के अलावा, उन्होंने बुनियादी ढाँचे, संपर्क, पर्यटन और शिक्षा के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास में भी मदद की है। उनके कार्यालय द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राष्ट्रपति ने कहा कि आज का भू–राजनीतिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। प्रतिस्पर्धी

शक्ति केंद्रों, तकनीकी व्यवधानों और बदलते गठबंधनों के कारण अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था का पुनर्निर्माण हो रहा है। प्रतिस्पर्धा के नए क्षेत्र – साइबर, अंतरिक्ष, सूचना और संज्ञानात्मक युद्ध – शांति और संघर्ष के बीच की रेखाओं को धुंधला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम के हमारे सभ्यतागत लोकाचार द्वारा निर्देशित, हमने दिखाया है कि रणनीतिक स्वायत्तता वैश्विक जिम्मेदारी के साथ सह–अस्तित्व में रह सकती है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हमारी कूटनीति, अर्थव्यवस्था और सशस्त्र बल मिलकर एक ऐसे भारत की कल्पना करते हैं जो शांति चाहता है, लेकिन अपनी सीमाओं और अपने नागरिकों की रक्षा के लिए पूरी ताकत और दृढ़ विश्वास के साथ तैयार है। राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि परिवर्तन के दशक के तहत सेना मात्रात्मक परिणामों के माध्यम से खुद को बदल रही है। यह संरचनाओं में सुधार कर रही है, सिद्धांतों को पुनर्निर्देशित कर रही है और सभी क्षेत्रों में भविष्य के लिए तैयार और मिशन–सक्षम होने के लिए क्षमताओं को पुनर्परिभाषित कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये रक्षा सुधार भारत को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि सेना युवाओं और मानव पूंजी में निवेश कर रही है, शिक्षा, एनसीसी विस्तार और खेलों के माध्यम से युवाओं में देशभक्ति का संचार कर रही है।

CISF अपनी पॉलिसी में ला रही बदलाव, ताकि 'माननीयों' को पहचानने में न हो चूक

नई दिल्ली। अगले महीने एक दिसंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है। दिल्ली में १० नवंबर को लालकिले के सामने हुए टेरर अटैक के बाद संसद का यह पहला सत्र होगा। इसके लिए सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। संसद भवन की सुरक्षा का दायित्व संभालने वाला केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) संसद की सुरक्षा में तैनात कर्मियों के लिए अपनी स्थानांतरण नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव लागू करने वाला है। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि संसद की सुरक्षा में तैनात २,५०० कर्मियों के मौजूदा तीन साल के स्थानांतरण चक्र को अब चार या पाँच साल तक बढ़ा दिया जाएगा। खबर है कि संसद भवन की सुरक्षा संभालने वाली सीआईएसएफ माननीय सांसदों के लिए अपनी श्री ईयर ट्रांसफर–पोस्टिंग में बदलाव कर चार से पांच साल वाली ट्रांसफर–पोस्टिंग पॉलिसी ला रही है। यह पॉलिसी केवल संसद भवन के लिए होगी। एयरपोर्ट, मेट्रो या अन्य सेक्टर में तैनात सीआईएसएफ के जवानों के लिए नहीं। सूत्रों का कहना है कि शुरुआत में कुछ सांसदों ने सीआईएसएफ के जवानों पर उन्हें ना पहचानने जैसे आरोप लगाए, जिस कारण ऐसे बदलाव किए जा रहे हैं। इसके तहत सीआईएसएफ ने अपने इंटरनल सिस्टम में रिव्यू करके संसद भवन के लिए यह तय किया है कि यहां की सुरक्षा में लगे जवानों का तीन साल में नहीं, बल्कि चार से पांच साल में ट्रांसफर किया जाए। जबकि पॉलिसी के तहत सीआईएसएफ

अपनी हर यूनिट में तैनात जवानों का अधिकतम तीन साल में एक यूनिट से दूसरी यूनिट में ट्रांसफर कर देती है। मई २०२४ में संसद भवन की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने के बाद से, सीआईएसएफ ने संसद भवन में २,५०० से ज्यादा जवानों और कमांडो को तैनात किया है। इन जवानों को सांसदों के चेहरे याद रखने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाता है और वे संसद भवन के लेआउट और सुरक्षा प्रोटोकॉल से अच्छी तरह वाकिफ हैं। इन प्रयासों के बावजूद, कई बार सांसदों ने शिकायत की है कि सुरक्षाकर्मी उन्हें पहचान नहीं पा रहे हैं, जिसके कारण स्थानांतरण नीति की समीक्षा और संशोधन किया गया है।

मदरसा बोर्ड में फर्जी अंकपत्र मामले में पूर्व रजिस्ट्रार की भूमिका, मंडलायुक्त बस्ती की जांच में हुआ खुलासा

लखनऊ। मदरसा शिक्षा परिषद में वर्ष २०१४ के आलिम और कामिल अरेबिक परीक्षाओं से जुड़े फर्जी अंकपत्र प्रकरण में मंडलायुक्त बस्ती की जांच रिपोर्ट ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़ा कर दिया है। इस मामले में तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। मंडलायुक्त बस्ती अखिलेश सिंह ने शासन को इसकी विस्तार से रिपोर्ट भेजी। जिसमें मदरसा गौसिया फैजुल उलूम मइहरवा कुशीनगर द्वारा पेश की गई टेबुलेशन रजिस्टर–२०१४ में केवल ४५ परीक्षार्थियों के नाम व अनुक्रमांक दर्ज थे। जिसमें साबिर अली अंसारी का नाम और उनका अनुक्रमांक ४०५०२६६ मौजूद नहीं था। कामिल अरेबिक तृतीय वर्ष में भी जाकिर हुसैन का नाम तो दर्ज मिला, लेकिन परिणाम में फेल दर्शाया गया था। इसके बाद रजिस्ट्रार कार्यालय की प्रस्तुत टेबुलेशन रजिस्टर में उसे पास दिखाया गया। रजिस्ट्रार कार्यालय से उपलब्ध टेबुलेशन रजिस्टर (टीआर) पर न किसी सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर थे, न पेज नंबरिंग, न प्रमाणीकरण था। लगता है कि यह दस्तावेज किसी आधिकारिक प्रक्रिया से गुजरा ही न हो। इसके विपरीत मदरसा प्रधानाचार्य द्वारा भेजी गई टीआर पूरी तरह हस्ताक्षरित और सत्यापित थी। प्रस्तुत अंकपत्रों पर भी परिषद कर्मियों के हस्ताक्षरों के बजाय मदरसा लिपिक अनवर हुसैन और प्रधानाचार्य अब्दुल शकूर के हस्ताक्षर मिले। इससे साफ है कि अंकपत्र कूटरचित थे। इन्हें मदरसे के भीतर ही तैयार किया गया। इस पूरे मामले में संदिग्ध पहलू तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट की कार्यशैली रही। ८ जुलाई २०२२ को उनके

कार्यालय द्वारा दोनों अंकपत्रों को असत्य बताते हुए पत्र जारी किया गया। मात्र १८ दिन बाद २६ जुलाई २०२२ को वहीं रजिस्ट्रार ने इन अंकपत्रों को सत्य घोषित कर दिया। संबंधित कनिष्ठ सहायक ने टिप्पणी बदलकर इसे "टंकण त्रुटि" बताया, लेकिन न तो इस बदलाव के पीछे कोई तथ्य थे और न कोई कारण। तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट ने इस असंगति पर कोई सवाल उठाना तो दूर, बिना किसी जांच–पड़ताल के संशोधित सत्यापन आख्या पर हस्ताक्षर कर दिए। जांच रिपोर्ट ने इसे साफ शब्दों में "किसी कार्य के पश्चात विचार" की श्रेणी में रखा और कहा कि यह बदलाव न तो स्वाभाविक था, न प्रक्रियात्मक। जांच में यह सामने आया कि वर्ष २०१४ की परीक्षाओं से संबंधित आवेदन पत्र, उत्तरपुस्तिकाएं और अन्य अभिलेख जिला मुख्यालय पर उपलब्ध ही नहीं हैं। परिषद के रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि अभिलेख "बेंडर को दे दिए गए थे और वापस नहीं मिले" जांच रिपोर्ट में न केवल असंतोषजनक बताया गया, बल्कि इसे गंभीर लापरवाही का उदाहरण माना गया। ऐसे अप्रमाणिक, बिना हस्ताक्षर वाले अभिलेखों के आधार पर तत्कालीन रजिस्ट्रार का दो–दो सत्यापन जारी करना उनकी भूमिका को और अधिक संदिग्ध बनाता है। इन तथ्यों के आधार पर प्रदेश शासन ने रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट को १२ फरवरी २०२४ को निलंबित कर दिया। उनके खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाही का आदेश दिया। हालांकि बाद में जांच जारी रहते हुए जगमोहन सिंह बिष्ट को बहाल कर दिया गया। साथ ही उपनिदेशक मुरादाबाद के पद पर तैनाती दे दी गई। विभाग में इस बात की चर्चा है कि पूर्व रजिस्ट्रार व वर्तमान उपनिदेशक मुरादाबाद स्वयं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सहपाठी बताते हैं। प्रशासनिक गलियारों और विभाग में इसी के दम पर अपनी धौंस दिखाते हैं। पूर्व रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट का विवादों से पुराना नाता है। कई मामलों में उन पर गंभीर आरोप लग चुके हैं।

आधार से राशन मिलता है, वोटिंग का अधिकार नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर पूछा सवाल

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को कई राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे प्रयास को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतिम बहस शुरू की और स्पष्ट किया कि आधार को नागरिकता के निर्विवाद प्रमाण के रूप में नहीं माना जा सकता। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची की पीठ ने यह भी रेखांकित किया कि चुनाव आयोग के पास फॉर्म ६ में प्रविष्टियों की शुद्धता निर्धारित करने की अंतर्निहित शक्ति है, जिसका उपयोग मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए किया जाता है। न्यायाधीशों ने दोहराया कि आधार का उद्देश्य सीमित है। मुख्य न्यायाधीश ने पूछा आधार लाभ प्राप्त करने के लिए कानून द्वारा बनाया गया है। सिर्फ इसलिए कि किसी व्यक्ति को राशन के लिए आधार दिया गया है, क्या उसे मतदाता भी बनाया जाना चाहिए? मान लीजिए कोई पड़ोसी देश का निवासी है और मजदूरी करता है, तो क्या उसे वोट देने की अनुमति दी जानी चाहिए? सर्वोच्च न्यायालय ने इस सुझाव को खारिज कर दिया कि निर्वाचन निकाय को एक डाकघर की तरह काम करना चाहिए तथा प्रत्येक फॉर्म ६ को स्वतः स्वीकार कर लेना चाहिए। पीठ ने पूछा आप कह रहे हैं कि चुनाव आयोग एक डाकघर है जिसे आपके द्वारा प्रस्तुत फॉर्म ६ को स्वीकार करना चाहिए और उसमें आपका नाम भी शामिल करना चाहिए। कुछ याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि एसआईआर प्रक्रिया आम मतदाताओं पर असंवैधानिक बोझ डालती है, जिनमें से कई को कागजी कार्रवाई में परेशानी हो सकती है और नाम हटाए जाने का खतरा भी हो सकता है। हालाँकि, पीठ ने कहा कि यह दावा कि इस तरह का संशोधन पहले कभी नहीं किया गया है, चुनाव आयोग के इस प्रक्रिया को चलाने के अधिकार को कमजोर करने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि मतदाता सूची से किसी भी नाम को हटाने से पहले उचित सूचना दी जानी चाहिए। अदालत ने तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में एसआईआर को अलग–अलग चुनौतियों के लिए समय–सीमा भी निर्धारित की। चुनाव आयोग को तमिलनाडु की याचिकाओं का १ दिसंबर तक जवाब देना होगा, उसके बाद ४ दिसंबर की सुनवाई से पहले दो दिनों के भीतर प्रत्युत्तर देना होगा। केरल की याचिकाओं पर २ दिसंबर को सुनवाई होगी, जबकि चुनाव आयोग का जवाब १ दिसंबर को आना है।

मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को चुनौती, सुप्रीम कोर्ट में २ दिसंबर को सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई २ दिसंबर (मंगलवार) तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के फैसले

को चुनौती देने वाली मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके) के संस्थापक वाइको द्वारा दायर याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) सहित कई अन्य दलों ने भी राज्य में एसआईआर अभ्यास के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है। डीएमके की याचिका पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष प्रस्तुत की गई। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि वह मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेगा। संगठन सचिव आरएस भारती ने मतदाता सूची की एसआईआर की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए और चुनाव आयोग की २७ अक्टूबर की अधिसूचना को रद्द करने की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसने २४ जून को जारी पूर्व दिशानिर्देशों के आधार पर एसआईआर को तमिलनाडु तक बढ़ा दिया था। इसने चुनाव आयोग के २४ जून और २७ अक्टूबर के आदेशों को चुनौती दी थी, जिसमें एसआईआर के संचालन का निर्देश दिया गया था। याचिका में कहा गया है कि यदि एसआईआर और चुनाव आयोग के आदेशों को रद्द नहीं किया जाता है, तो उचित प्रक्रिया के बिना, लाखों मतदाताओं को अपने प्रतिनिधियों को चुनने से मनमाने ढंग से वंचित किया जा सकता है, जिससे देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और लोकतंत्र बाधित हो सकता है, जो संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा हैं। अधिवक्ता दीक्षिता गोहिल, प्रांजल अग्रवाल, शिखर अग्रवाल और यश एस. विजय के माध्यम से दायर टीवीके की याचिका में चुनाव आयोग की अधिसूचना को रद्द करने की भी मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि एसआईआर अनुच्छेद १४, १६, २१, ३२५ और ३२६ के तहत संवैधानिक सुरक्षा का घोर उल्लंघन है और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५० (आरओपीए) की धारा २१ और २३ के तहत वैधानिक प्रावधानों के विपरीत है। इसके अतिरिक्त, याचिका में यह भी कहा गया है कि एसआईआर बिना किसी कारण या औचित्य के मतदाता सूचियों को नए सिरे से तैयार करने के समान है, जो आरओपीए के तहत वैधानिक आवश्यकता का उल्लंघन करता है।

कार अनियंत्रित होकर नाले में गिरी, पांच की मौत

लखीमपुर खीरी जिले के ढखेरवा–गिरिजापुरी बैराज रोड पर गजियापुर के पास एक कार अनियंत्रित होकर शारदा नहर के किनारे बने पक्के नाले में गिर गई, जिससे पांच लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। यह हादसा पढुवा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात हुआ। पुलिस उप निरीक्षक (एसआई) ने बताया कि मृतकों की पहचान जितेंद्र (२३), घनश्याम (२५), लालजी (४५), अजीमुल्ला (४५) और सुरेंद्र (५६) के रूप में हुई है। ये सभी बहराइच जिले के रहने वाले थे। इनके शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सिंह ने कहा, हादसे में जीवित बचे व्यक्ति की पहचान सूरज उर्फ बब्बू के रूप में हुई है, जो बहराइच का ही रहने वाला है और गाड़ी चला रहा था। उसे रमियाबेहर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां ड क्टरों ने उसकी हालत खतरे से बाहर बताई। पुलिस के मुताबिक, सभी छह लोग एक दोस्त के रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के बाद बहराइच लौट रहे थे।

आत्मदाह की कोशिश में झुलसे युवक की मौत

मुजफ्फरनगर। जिले के हसनपुर कला गांव के रहने वाले२२ साल के एक मोबाइल दुकान संचालक ने पुलिस पर परेशान करने का आरोप लगाते हुए खुद को आग लगा ली थी, जिसकी बुधवार शाम दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक बुढ़ाना पुलिस स्टेशन के हसनपुर कला गांव के रहने वाले अनस ने कथित तौर पर १६ नवंबर को आत्मदाह की कोशिश की थी। सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो सामने आया था जिसमें उसने दावा किया था कि स्थानीय पुलिस वालों के परेशान करने की वजह से उसे यह कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ा। शिकायत और वायरल वीडियो के बाद, तीन पुलिस कर्मियों को पांच दिन पहले निलंबित कर दिया गया था। इनमें एसआई राम अवतार, हेड कांस्टेबल भूपेंद्र, और कांस्टेबल विकास हैं। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार के निर्देश पर शुरुआती जांच के बाद की गई। मामले में आगे की जांच जारी है।

वपक्ष अपनी संभावित हार के डर से एसआईआर पर सवाल उठा रहा ब्रजेश पाठक

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विपक्षी दलों के विरोध पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपनी संभावित हार के डर से एसआईआर पर सवाल उठा रहा है। इस दौरान, ब्रजेश पाठक ने बिहार की तरह पश्चिम बंगाल में भी भाजपा की जीत का दावा किया। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने फिरोजाबाद में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, षविपक्ष जो कुछ भी कह रहा है, वह उनकी संभावित हार के डर को दिखाता है। बिहार में एसआईआर लागू किया गया, तो एक भी वोटर ने यह दावा नहीं किया होता कि उसका नाम हटाया गया। चुनाव पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से हुए। बिहार की जनता ने श्जंगलराजश को कभी भी वापस न लाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की गरीब कल्याण की योजनाओं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन पर मुहर लगाई है। उन्होंने आगे कहा, ष्पश्चिम बंगाल में भी भाजपा भारी बहुमत से जीतेगी। पिछली बार हार का अंतर बहुत कम था, इस बार हम निर्णायक जीत हासिल करेंगे। एसआईआर लागू होने के बाद से अवैध तरीके से रहने वाले लोगों में भगदड़ है। वे देश छोड़कर भाग रहे हैं। आगे भी अवैध तरीके से आए लोगों को

देश के बाहर करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।' उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गुरुवार को बाबा नीम करौरी की जन्मस्थली अकबरपुर का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने बाबा के पैतृक घर और मंदिर में पूजा–अर्चना की और वहां एक किताब का विमोचन भी किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ र्म श्एक्सश पर लिखा, 'फिरोजाबाद स्थित पूज्य संत बाबा नीब करौरी जी महाराज के अकबरपुर स्थित जन्मस्थली धाम पर पत्नी के साथ जाकर बाबा नीब करौरी जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने का परम सौभाग्य मिला।' बाबा नीब करौरी के बारे में ब्रजेश पाठक ने बताया कि उनका जन्म उत्तर प्रदेश के अकबरपुर में १९०० के आसपास हुआ था। उनका असली नाम लक्ष्मीनारायण शर्मा था। गृहस्थ जीवन त्याग कर वे आध्यात्मिक यात्रा पर गए थे। उन्होंने कई स्थानों का भ्रमण किया। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष १९६४ में नैनीताल के पास कैंचीधाम आश्रम की स्थापना की गई। मान्यता है कि एक बार ट्रेन में यात्रा करते समय उन्हें नीब करौरी गांव के पास उतार दिया गया, तो वे वहीं बैठ गए। स्टेशन पर उनके बैठने के बाद ड्राइवर ने ट्रेन चलाने का प्रयास किया लेकिन ट्रेन नहीं चली। बाबा को मनाने के बाद ही ट्रेन अपने गंतव्य की ओर रवाना हो सकी। यही कारण है कि उन्हें नीब करौरी बाबा के नाम से जाना जाता है।

भाजपा ने वोट के अधिकार पर सबसे बड़ा हमला किया, लोकतंत्र खतरे में: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को संविधान दिवस मनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी पर कटाक्ष किया और उस पर संविधान को 'सबसे ज्यादा नुकसान पहुँचाने' का आरोप लगाया। उन्होंने वोट चोरी के आरोपों को दोहराया। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए लोगों को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए सबसे बड़े अधिकार, वोट के अधिकार से वंचित कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि हमने देखा कि भाजपा ने आज सुबह संविधान दिवस मनाया। हालाँकि, उन्होंने ही संविधान को सबसे ज्यादा नुकसान पहुँचाया है... बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए सबसे बड़े अधिकार, वोट को। एसआईआर के जरिए, वे लाखों लोगों को उनके वोट के अधिकार से वंचित करना चाहते हैं। अखिलेश यादव ने भाजपा पर बांग्लादेश के नाम पर पश्चिम बंगाल में 'षड्यंत्र रचने' का आरोप लगाते हुए देश में 'धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद' के लिए खतरे पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा

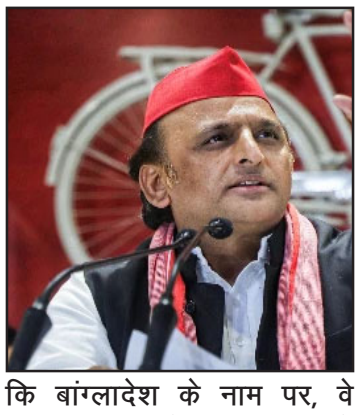

कि बांग्लादेश के नाम पर, वे पश्चिम बंगाल में षड्यंत्र रच रहे हैं। धर्मनिरपेक्षता को भूल जाइएय वे धर्मनिरपेक्षता का सही अर्थ नहीं समझते... उनकी सरकार में अब कोई समाजवादी नहीं बचा है, कोई धर्मनिरपेक्षता नहीं है, और एसआईआर के साथ, उन्होंने हमारे लोकतंत्र को भी खतरे में डाल दिया है। निर्वाचन आयोग १२ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के एसआईआर के दूसरे चरण का संचालन कर रहा है, जिसकी अंतिम मतदाता सूची ७ फरवरी, २०२६ को प्रकाशित की जाएगी। इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इस बीच, सोमवार को पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन कार्यालय में सुरक्षा भंग होने की सूचना मिली, जिसके बाद चुनाव आयोग ने कोलकाता पुलिस को पश्चिम बंगाल में अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया। चुनाव आयोग ने अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए संभावित खतरों का हवाला देते हुए अपर्याप्त सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की।

भाई ने फोन पर पुरुष मित्रों से बात करने पर की बहन की हत्या

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में एक युवक ने कथित तौर पर फोन पर पुरुष मित्रों से बात करने से नाराज होकर अपनी बहन (२२) की हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना शाहजहांपुर जिले के इटोरा गोटिया गांव की है और मृतका की पहचान नैना देवी के रूप में की गई है। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि आरोपी शेर सिंह का दावा है कि उसकी बहन फोन पर कई पुरुषों से बात करती थी और शादी के प्रस्ताव भी ठुकरा देती थी। उन्होंने बताया, '' आरोपी ने बताया कि फोन में रिकॉर्ड हुई बातचीत सुनकर वह आगबबूला हो गया। जब बहन अपना फोन लेने आई, तो गुस्से में आरोपी ने तेजधार हथियार से उसकी गर्दन पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।''उन्होंने बताया कि शेर सिंह को मंगलवार रात गिरफ्तार कर लिया गया और उसके खिलाफ बीएनएस की धारा १०३(१) (हत्या) के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कल लखनऊ में ६ घंटे रहेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुमूर्रू आगमन पर लागू होगा ट्रैफिक डायवर्जन, वैकल्पिक मार्गो का करें इस्तेमाल

लखनऊ। वृंदावन कालोनी में डिफेंस एक्सपो स्थल में चल रहे नेशनल जंबूरी का २८ नवंबर को समापन होगा। समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी। वह

सुल्तानपुर रोड स्थित ब्रह्मकुमारीज सेंटर भी जाएंगी। राष्ट्रपति लगभग ६ घंटे राजधानी में रहेंगी। राष्ट्रपति सुबह ११:३० बजे विशेष प्लने से चौधरी चरन सिंह एयरपोर्ट पहुंचेंगी। यहां से सीधे सुल्तानपुर रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज संस्थान पहुंचेंगी। गुलजार उपवन राजयोग ट्रेनिंग सेंटर में विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान का राज्य स्तरीय शुभारंभ करेंगी। १२ बजे समारोह संबोधित करने के बाद कुछ देर मेडिटेशन रूम में ध्यान करेंगी। संस्थान के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्रह्मकुमार डॉ. मृत्युंजय ने बताया कि आज वैश्विक परिदृश्य में दुनिया को सबसे ज्यादा विश्व एकता और विश्वास की जरूरत है। एकता में सबसे बड़ी शक्ति है। इसी को देखते हुए इस वर्ष ब्रह्माकुमारीज द्वारा वार्षिक थीम विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान रखी गई है। इस थीम के तहत संस्थान के विश्व के १४० देशों में स्थित ८ हजार से अधिक सेवाकेंद्रों के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ब्रह्मकुमारीज सेंटर के कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति राजभवन में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के साथ लंच करेंगी। इसके बाद वृंदावन योजना में जंबूरी के समापन समारोह में शामिल होंगी। ५ बजे एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगी। विशेष प्लेन से ५रू३० बजे नई दिल्ली रवाना हो जाएंगी। जम्बूरी कार्यक्रम में शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शामिल होंगी। डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने बताया कि राष्ट्रपति कार्यक्रम के चलते विभिन्न इलाकों में डायवर्जन व्यवस्था लागू की जा रही है। इस दौरान वैकल्पिक मार्गों का ही इस्तेमाल करें। ट्रैफिक से संबंधित समस्या आने पर कंट्रोल नंबर ६४५४४०५१५५ पर संपर्क कर सकते हैं।

संविधान दिवस पर PM का आह्वानः हर नागरिक निभाए अपने कर्तव्य, तभी बनेगा 'विकसित भारत'

नई दिल्ली। संविधान दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागरिकों के नाम लिखा गया पत्र एक अलग ही संदेश लिए हुए सामने आया है। मौजूद जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे अपने संवैधानिक कर्तव्यों को निभाते रहें, क्योंकि यही एक विकसित भारत के निर्माण में सबसे बड़ी भूमिका निभाएगा। बता दें कि वर्ष २०१५ में केंद्र सरकार ने २६ नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था और तब से यह दिन देश के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बन गया है। प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि भारत का संविधान एक ऐसा पवित्र दस्तावेज है जो दशकों से देश की दिशा तय करता आया है और जिसे लेकर लोगों में गहरा सम्मान है। उन्होंने यह भी याद किया कि कैसे २०१४ में पहली बार संसद भवन के बाहर उन्होंने सीढ़ियों को नमन किया था और २०१६ में संविधान की प्रति को अपने माथे से लगाया था। उनके अनुसार, यह संविधान ही है जिसने एक साधारण परिवार से आए व्यक्ति को इतने वर्षों तक देश की सेवा करने का अवसर दिया है। गौरतलब है कि इस वर्ष का संविधान दिवस कई मायनों में खास है। यह सरदार वल्लभभाई पटेल और भगवान बिरसा मुंडा की १५०वीं जयंती का वर्ष है। प्रधानमंत्री ने

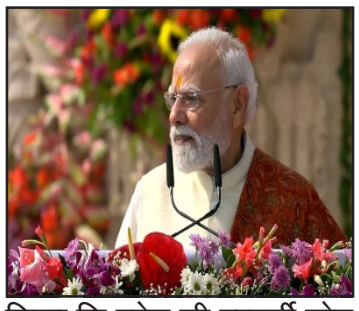

लिखा कि पटेल की दूरदर्शी सोच ने देश के एकीकरण को संभव बनाया और उनके साहस ने जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद ३७० और ३५। को हटाने का मार्ग प्रशस्त किया। इसके साथ ही बिरसा मुंडा का संघर्ष आदिवासी समुदायों के सम्मान, अधिकार और न्याय की प्रेरणा बना हुआ है। यह वर्ष वंदे मातरम् के १५० वर्षों और गुरु तेग बहादुर जी की ३५०वीं शहादत वर्षगांठ के रूप में भी याद किया जा रहा है, जिनका साहस और करुणा देश को मजबूत बनाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये सभी ऐतिहासिक मील के पत्थर हमें अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता देने की याद दिलाते हैं, जैसा कि संविधान के अनुच्छेद ५१ए में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि २०४६ में संविधान अंगीकार किए जाने के १०० वर्ष पूरे होंगे और आज लिए गए फैसले आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करेंगे। इसलिए नागरिकों को हमेशा देशहित को ध्यान में रखकर अपने कर्तव्य निभाने चाहिए। प्रधानमंत्री ने मतदान के महत्व पर भी जोर दिया और सुझाव दिया कि स्कूलों व क लेजों में संविधान दिवस के अवसर पर १८ वर्ष के नए मतदाताओं का सम्मान किया जाना चाहिए, ताकि युवाओं में लोकतंत्र के प्रति जिम्मेदारी का भाव मजबूत हो सके। उनके अनुसार, जब देश का युवा अपनी जिम्मेदारियों को समझता है, तभी एक मजबूत और जागरूक राष्ट्र का निर्माण संभव होता है और इसी भावना के साथ आगे बढ़ना आज की जरूरत बन गई है।

'राष्ट्र के लिए ऐतिहासिक', मोहन भागवत बोले - अयोध्या में फहराया धर्मध्वज, अब पूरी दुनिया इस राह पर चलेगी

लखनऊ। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को अयोध्या राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह को अत्यंत ऐतिहासिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक महत्व का क्षण बताया और इसे सदियों की सामूहिक आकांक्षा, त्याग और संघर्ष का परिणाम बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हजारों उपस्थित लोगों की उपस्थिति में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, भागवत ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। मोहन भागवत ने कहा कि आज हम सबके लिए एक सार्थकता का दिन है। इतने लोगों ने सपना देखा, इतने लोगों ने प्रयास किए, इतने लोगों ने अपने प्राण अर्पण किए आज उनकी आत्मा को तृप्त हुई होगी। आज वास्तव में अशोक जी को वहां शांति मिली होगी....उन्होंने अपना प्राण अर्पण किया और अपना पसीना बहाया तथा जो पीछे रहे वो भी मन में इच्छा करते रहे कि मंदिर बनेगा–बनेगा और आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई। ध्वजारोहण हो गया. ...हमने इसे अपनी आंखों से देखा है। भागवत ने जोर देकर कहा कि जो लोग अग्रिम पंक्ति में नहीं थे, उन्होंने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि जो लोग पृष्ठभूमि में थे, वे भी मंदिर निर्माण की आशा करते रहे। इस समारोह में फहराए गए औपचारिक ध्वज का वर्णन करते हुए, भागवत ने इसे रामराज्य की प्राचीन विरासत से जोड़ा, जो न्यायपूर्ण शासन, शांति और समृद्धि का एक आदर्श था। उन्होंने कहा कि रामराज्य का ध्वज, जो कभी अयोध्या में ऊँचा फहराता था और दुनिया में शांति और समृद्धि फैलाता था, अब अपने शिखर पर विराजमान है और हमने इसे घटित होते देखा है। ध्वज एक प्रतिनिधि है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह क्षण केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि गहन आध्यात्मिक है। उन्होंने घोषणा की कि भगवा' इस ध्वज का रंग है, यह 'धर्मध्वज' है। पूरी दुनिया इसी ध्वज से चलेगी। लंबे संघर्ष को स्वीकार करते हुए, भागवत ने कहा, ष्मंदिर निर्माण में समय लगा। अगर आप ५०० साल को अलग भी कर दें, तो भी इसमें ३० साल लगे।ष आशावाद के साथ समापन करते हुए, आरएसएस प्रमुख ने कहा, 'मंदिर अब बन गया है, और आज 'शास्त्रीय प्रक्रियाश संपन्न हुई है। ध्वजारोहण हो चुका है।'

SIR के दौरान लापरवाही के आरोप में लेखपाल, बीएलओ निलंबित

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान गंभीर खामियां मिलने के बाद लेखपाल और एक बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) को निलंबित कर दिया गया। बुधवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि जिला निर्वाचन अधिकारी रवींद्र कुमार ने यह आदेश जारी किया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार की जा रही एसआईआर के दौरान कुमार ने लालगंज विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम प्रगति वाले बूथों का निरीक्षण किया। बयान के मुताबिक शाहपुर के प्राथमिक विद्लाय (बूथ संख्या ४०७) में निरीक्षण के दौरान बीएलओ रफीउल्लाह का काम संतोषजनक नहीं पाया गया। बयान में कहा गया है कि फ र्म का वितरण एवं डिजिटलीकरण में लापरवाही करने के आरोप में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ को निलंबित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उधरा कूबा में प्राथमिक विद्यालय (बूथ संख्या ३८५) के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि लेखपालध्पर्यवेक्षक ने बीएलओ इंदु देवी को सही सूचना और आवश्यक सहयोग नहीं दिया। इसके साथ ही शिवका प्राथमिक विद्यालय(बूथ संख्या ३८३) की बीएलओ प्रीति सिंह दीपा को भी लेखपालध पर्यवेक्षक ने आवश्यक सहयोग नहीं दिया और लापरवाही बरती। इसके बाद जिला निर्वाचन अधिकारी ने लेखपाल विनोद कुमार यादव को निलंबित करने तथा अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

दुर्लभ वन्य जीवों की हत्या कर अंगों की तस्करी के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में दुर्लभ वन्य जीवों की हत्या कर उनके अंगों की तस्करी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। वन विभाग के मुताबिक आरोपी गोवर्धन क्षेत्र में वन्यजीवों के अंगों की सौदेबाजी करने पहुंचे थे। मथुरा के वन विभाग ने दिल्ली में स्थित वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो से मिली खुफिया सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। वन अधिकारी ने बताया कि सोमवार को सभी अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया गया, जिसने उन्हें १४ दिन की हिरासत में भेज दिया। जिला वन अधिकारी (डीएफओ) वेंकटेश श्रीकर पटेल ने बताया कि दिल्ली में स्थित वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) से मिली जानकारी

के आधार रविवार की रात टीम बनाकर राधाकुंड परिक्रमा मार्ग पर ग्राहक बनकर तस्करों से संपर्क किया गया। पटेल ने कहा कि वहां टीम को फिरोजाबाद के नारखी के निवासी संजय कुमार व वीरेंद्र सिंह तथा कासगंज के विकास कुमार वन्य जीवों के अंग बेचते हुए मिले। अधिकारी ने बताया कि उनसे उल्लू के नाखून और 'मॉनीटर लिजार्ड' के अंगों का सौदा किया गया था। पटेल ने कहा कि जैसे ही तीनों तस्कर अंगों की आपूर्ति के लिए पहुंचे, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि उनके कब्जे से उल्लू के १४ नाखून व म नीटर लिजार्ड के ५० अंग बरामद हुए। पटेल ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम १९७२ की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

SIR ने यूपी में पकड़ी रफ्तार: २४ घण्टों में १.१४ करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में १५.४४ करोड़ से अधिक मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का वितरण, संग्रह एवं डिजिटाइजेशन का कार्य १.६२ लाख से अधिक बूथों पर बीएलओ द्वारा किया जा रहा है। प्रदेश में बढ़ी जनजागरुकता, मतदाताओं में उत्साह होने, बीएलए के सहयोग एवं बीएलओ की मेहनत की वजह से विगत २४ घण्टों में १.१४ करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया गया, जिसमें प्रति बीएलओ औसत ७० प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अब तक प्रदेश में ६.४० करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन हो चुका है। औरैया, चित्रकूट, अम्बेडकरनगर, बाराबंकी, पीलीभीत, सहारनपुर तथा मुरादाबाद में ५० प्रतिशत से अधिक गणना प्रपत्रों के

डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा चुका है। बीते २४ घण्टों में शामली, गोण्डा, अम्बेडकरनगर, बाराबंकी, अमरोहा, संतकबीरनगर, औरैया एवं मिर्जापुर जनपद ने प्रति बीएलओ औसत ८० से अधिक गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन तेजी के साथ पूरा किया। उन्होंने बताया कि पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज अवश्य होगा, मृत, शिफ्टेड, डुप्लीकेट तथा अनट्रेस्ड मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएंगे। प्रदेश में एसआईआर के बाद शुद्ध एवं पारदर्शी मतदाता सूची तैयार होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया कि एसआईआर के कार्य में जुड़े सभी कार्मिक अपनी कार्य योजना के साथ, बीएलओ का सहयोग करते हुए गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन प्रतिदिन अधिक से अधिक कराएं। कम प्रगति वाले बूथों पर बीएलओ के सहयोग के लिए अतिरिक्त कार्मिक के साथ तकनीकी रूप से दक्ष कार्मिक भी लगाएं जाए।

अन्नदाता किसानों के लिए खुशखबरी, अनुदान पर सोलर पंप उपलब्ध कराएगी डबल इंजन सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत वर्ष २०२५–२६ में प्रदेश के 'अन्नदाता किसानों' को अनुदान पर ४०५२१

सोलर पंप उपलब्ध कराएगी। एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। बयान में कहा गया है कि इसका लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों को १५ दिसंबर तक कृषि विभाग की वेबसाइट पर आवेदन करना होगा। इसमें कहा गया है कि अनुदान पर सोलर पंप उन्हीं किसानों को मिलेगा, जो विभाग की इस वेबसाइट पर पंजीकृत होंगे। बयान के मुताबिक किसानों का चयन ई–लॉटरी के जरिए किया जायेगा। किसानों को नौ प्रकार के सोलर पंप पर केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा अनुदान के रूप में बड़ी राशि की छूट मुहैया कराई जा रही है। इसमें कहा गया है कि यह अनुदान उत्तर प्रदेश के किसानों की समृद्धि में सहायक हो रहा है। उप्र कृषि विभाग द्वारा किसानों को अलग–अलग सोलर पंपों पर अनुदान दिए जाएंगे। इसमें केंद्र व राज्य सरकार का अलग–अलग अंश भी होगा। प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा व उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) के अंतर्गत योगी सरकार ने किसानों से १५ दिसंबर तक आवेदन करने की अपील की है।

रिलीज से पहले विवादों में रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर'

मुम्बई। लेखक और निर्देशक आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' रिलीज से पहले ही कानूनी पचड़े में फंस चुकी है। अशोक चक्र अवार्डी शहीद मेजर मोहित शर्मा के माता–पिता ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की है। फिल्म ५ दिसंबर को रिलीज होने वाली है। भारतीय सेना के शहीद मेजर मोहित शर्मा के माता–पिता ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। परिवार का कहना है कि फिल्म 'धुरंधर' की रिलीज पर तुरंत रोक लगाई जाए, क्योंकि ये फिल्म उनके बेटे की जिंदगी से प्रभावित लगती है और फिल्म को बनाने से पहले फिल्म प्रोड्यूसर्स ने कोई परमिशन नहीं ली है। याचिका में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन, भारतीय सेना और फिल्म के डायरेक्टर और प्रोड्यूसर को पक्षकार बनाया गया है। इससे पहले भी सोशल मीडिया पर लगातार 'धुरंधर' की कहानी को मेजर मोहित की जिंदगी से प्रभावित फिल्म बताया जा रहा है। हालांकि २६ नवंबर को

निर्देशक आदित्य धर ने फिल्म को लेकर बयान भी जारी किया था और कहा था कि फिल्म मोहित शर्मा की जिंदगी से प्रेरित नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ र्म एक्स पर लिखा था हमारी फिल्म धुरंधर बहादुर मेजर मोहित शर्मा के जीवन पर आधारित नहीं है। यह एक आधिकारिक स्पष्टीकरण है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि अगर हम भविष्य में मोहित सर पर बायोपिक बनाते हैं तो इसे पूरी सहमति और परिवार के साथ पूर्ण परामर्श के साथ करेंगे और इस तरह से करेंगे जिससे देश के लिए उनके बलिदान और हम सभी के लिए छोड़ी गई विरासत का सच्चा सम्मान हो। बता दें कि 'धुरंधर' के ट्रेलर रिलीज के बाद फिल्म के हर किरदार पर बात की गई, लेकिन रणवीर सिंह के किरदार पर मेकर्स ने अभी तक कोई बात नहीं की है। इस बात पर सस्पेंस बरकरार है कि रणवीर सिंह का रोल किस किरदार से प्रेरित है। फिल्म में आर. माधवन का किरदार अजीत डोभाल, अर्जुन रामपाल का किरदार पाकिस्तान के इलियास कश्मीरी, जबकि संजय दत्त का किरदार पाकिस्तानी एसपी चौधरी असलम से प्रेरित है। गौर करने वाली बात ये है कि रणवीर सिंह का लुक शहीद मेजर मोहित से मिलता है, जिन्होंने अपना नाम और पहचान बदलकर कई साल हिजबुल मुजाहिदीन टेररिस्ट ग्रुप के साथ आतंकी बनकर बिताए थे और वे जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा में आतंकवादी विरोधी अभियान के दौरान मारे गए थे। उनके अदम्य साहस के लिए उन्हें अशोक चक्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

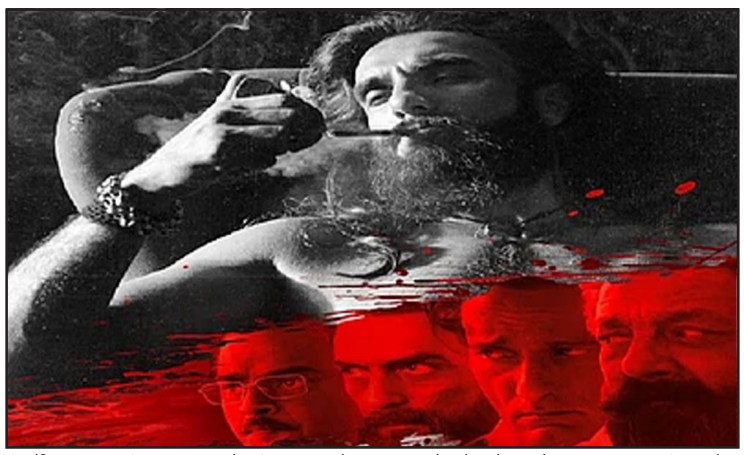

साईं बाबा की पवित्र कफनी और पादुका लेकर आईं शिल्पा शेट्टी

मुम्बई। ९० के दशक की बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी साईं बाबा में गहरी आस्था रखती हैं। उन्हें कई बार अपने परिवार के साथ शिरडी साईं मंदिर में दर्शन करते हुए देखा गया है। अब एक्ट्रेस ने पूरी श्रद्धा के साथ अपने घर पर साईं बाबा का स्वागत किया है और खुद को कृतज्ञता और प्रेम से भरा महसूस कर रही हैं। शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह अपने पूरे परिवार के साथ साईं बाबा की पूजा करती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने घर पर साईं बाबा का कीर्तन रखा और उनकी पवित्र कफनी और पादुका अपने घर लेकर आई हैं। वीडियो में शिल्पा अपने पति और बच्चों के साथ साईं बाबा की आरती उतारती दिख रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा साईं, मैं आपकी पवित्र कफनी और पादुका को घर

लाते हुए कृतज्ञता और प्रेम से भर गई हूं। आपकी दिव्य उपस्थिति मेरे घर और हृदय को भर दे, और मुझे श्रद्धा और सबुरी से मार्गदर्शन प्रदान करें, साईं राम। शिल्पा शेट्टी इंस्टाग्राम पर भी साईं बाबा के व लपेपर शेयर करती रहती हैं। कभी वे भगवान शिव और भगवान विष्णु से जुड़े व लपेपर भी पोस्ट करती हैं। बता दें कि साईं भक्तों के लिए बाबा की पवित्र कफनी और पादुका की पूजा करना बहुत शुभ माना जाता है। भक्तों के बीच मान्यता है कि पवित्र कफनी और पादुका की पूजा करने से साईं बाबा की विशेष कृपा उनके परिवार पर होती है। कफनी एक तरह का लंबा वस्त्र होता है, जिसे साईं बाबा पहनते थे। पवित्र वस्त्र को सादगी और धैर्य का प्रतीक माना जाता है। शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पहले से कानूनी पचड़े में फंसे हैं। दोनों पर एक व्यापारी के साथ ६० करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। मामले में आर्थिक अपराध शाखा ने शिल्पा और राज की कंपनी के चार कर्मचारियों से पूछताछ भी की है। शाखा को शक है कि मामला ६० करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी का है और क्या वाकई कंपनी की फर्निशिंग में २० करोड़ रुपए का खर्च आया है, जितना निवेशकों को बिल में दिखाया गया है। इससे पहले मामले में शिल्पा शेट्टी ने कोर्ट से विदेश जाने की इजाजत भी मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने ये कहते हुए इनकार कर दिया कि पहले ६० करोड़ रुपए वापस दीजिए और उसके बाद जहां जाना है वहां जाइए।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370

प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार

सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289

मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email- adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक